

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन (SKPF) एवं WINCOMPETE- संयुक्त टेस्ट सीरीज - 2026

समय: 2:00 घण्टे |

| अधिकतम अंक: 300

विषय: भारत का भूगोल(आर्थिक)

टेस्ट संख्या: [11]

अभ्यर्थी का नाम: _____

अनुक्रमांक (Roll No.): _____

परीक्षा केंद्र _____

हस्ताक्षर अभ्यर्थी: _____

हस्ताक्षर वीक्षक: _____

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प (A, B, C, D, E) दिए गए हैं।
2. प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 अंक निर्धारित हैं।
3. **नकारात्मक अंकन (Negative Marking):** प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा।
4. OMR उत्तर पत्रक में पाँच विकल्प (A, B, C, D, E) में एक का अंकन करना है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो अनिवार्य रूप से विकल्प 'E' को अंकित करें।
5. यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न को हल नहीं करता है और विकल्प 'E' को भी अंकित नहीं करता है, तो उस प्रश्न के लिए भी 1/3 भाग (1 अंक) काटा जाएगा। (नवीनतम RPSC नियम)
6. कच्चे कार्य (Rough work) के लिए स्थान इस पुस्तिका के अंत में दिया गया है।
7. अपने रोल नम्बर और अन्य विवरण केवल निर्धारित स्थान पर ही लिखें।

प्रश्न 1: भारत में भू-उपयोग वर्गीकरण की विधिक श्रेणियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I : कृषि योग्य व्यर्थ भूमि (Culturable Wasteland) के अंतर्गत वह भूमि शामिल की जाती है जो पिछले एक वर्ष या उससे कम समय से कृषि रहित रही हो।

कथन II : वर्तमान परती भूमि (Current Fallow) वह भूमि है जो मृदा की प्राकृतिक उर्वरता वापस प्राप्त करने हेतु पाँच वर्ष से अधिक समय से खाली छोड़ी गई हो।

कथन III : शुद्ध बोया गया क्षेत्र (Net Sown Area) वह कुल क्षेत्रफल है जिस पर फसलें उगाई और काटी जाती हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 2: भारत में स्वतंत्रता के बाद से कृषि भूमि के गैर-कृषि कार्यों में हस्तांतरण के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन : द्वितीयक और तृतीयक आर्थिक क्षेत्रों के विस्तार के बावजूद भारत में गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में निरंतर तीव्र गिरावट दर्ज की गई है।

कारण : नगरीकरण और ढांचागत परियोजनाओं की बढ़ती मांग के कारण ग्रामीण आवासीय भूमि को बड़े पैमाने पर वनों में परिवर्तित किया जा रहा है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 3: भारत के सकल मूल्य वर्धन (GVA) और

रोजगार प्रतिरूप में कृषि क्षेत्र के वास्तविक महत्व के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन : आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के अद्यतन आँकड़ों के अनुसार भारत की लगभग 45 प्रतिशत से अधिक कार्यशील जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है।

निष्कर्ष I : सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों की तीव्र वृद्धि के कारण कृषि पर श्रम शक्ति की प्रत्यक्ष निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

निष्कर्ष II : भारतीय कृषि क्षेत्र आज भी देश में ग्रामीण आजीविका और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा प्राथमिक आधार बना हुआ है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 4: भारत के विभिन्न राज्यों में शुद्ध बोए गए क्षेत्र (Net Sown Area) के क्षेत्रीय वितरण के भौगोलिक प्रतिरूप के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा मिलान असंगत है?

- A) पंजाब - अस्सी प्रतिशत से अधिक शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- B) हरियाणा - अस्सी प्रतिशत से अधिक शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- C) अरुणाचल प्रदेश - दस प्रतिशत से कम शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- D) मिजोरम - अस्सी प्रतिशत से अधिक शुद्ध बोया गया क्षेत्र

प्रश्न 5: भारतीय कृषि की संरचनात्मक विशेषताओं और जोत आकार के विखंडन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I : कृषि जनगणना के अनुसार भारत में कुल भूमि जोतों का लगभग 86 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 'सीमांत और लघु' किसानों के

अंतर्गत आता है।

कथन II : उत्तराधिकार के नियमों के कारण निरंतर होने वाले विखंडन से भारत में औसत जोत का आकार बढ़कर पाँच हेक्टेयर से अधिक हो गया है।

कथन III : भारत के सीमांत किसानों के पास विधिक रूप से एक हेक्टेयर से कम कृषि भूमि उपलब्ध होती है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही है/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन I और कथन III
- C) केवल कथन II और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 6: भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विद्यमान श्रम प्रतिरूप और बेरोजगारी की प्रकृति के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन : भारतीय कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी (Disguised Unemployment) एक व्यापक संरचनात्मक विशेषता के रूप में पाई जाती है।

कारण : यदि कृषि कार्य में लगे अतिरिक्त श्रमिकों को उस कार्य से पूरी तरह हटा दिया जाए, तो कुल कृषि उत्पादन में तीव्र गिरावट दर्ज होती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 7: भारत की प्रमुख सस्य ऋतुओं और उनके अंतर्गत उगाई जाने वाली फसलों के वर्गीकरण पर विचार कीजिये:

कथन : खरीफ ऋतु की फसलें मुख्य रूप से मानसून के आगमन के साथ जून-जुलाई में बोई जाती हैं और शीत ऋतु के प्रारंभ में काट ली जाती हैं।

निष्कर्ष I : गेहूँ और सरसों मुख्य रूप से खरीफ ऋतु की जल-प्रधान फसलें हैं।

निष्कर्ष II : धान, मक्का और कपास खरीफ ऋतु के अंतर्गत उत्पादित होने वाली प्रमुख फसलें हैं।

A) केवल निष्कर्ष I सत्य है

B) केवल निष्कर्ष II सत्य है

C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं

D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 8: भारत के विभिन्न राज्यों में प्रचलित सस्य गहनता (Cropping Intensity) और कृषि प्रणालियों के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

- A) पंजाब - उच्च सस्य गहनता (190% से अधिक)
- B) सिक्किम - भारत का पहला पूर्ण जैविक कृषि राज्य
- C) भारत की औसत सस्य गहनता - लगभग एक सौ बयालीस प्रतिशत
- D) अरुणाचल प्रदेश - भारत का सर्वाधिक नलकूप सिंचित कृषि क्षेत्र

प्रश्न 9: धान (चावल) की खेती के लिए आवश्यक विशिष्ट भौगोलिक और जलवायवीय दशाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I : चावल की सफल खेती के लिए औसत तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से अधिक और उच्च आर्द्रता की आवश्यकता होती है।

कथन II : जिन क्षेत्रों में वार्षिक वर्षा 100 सेमी से कम होती है, वहाँ बिना किसी कृत्रिम सिंचाई के धान का रिकॉर्ड उत्पादन संभव है।

कथन III : धान के पौधों के विकास के लिए गहरी जलोढ़ मृदा (Alluvial Soil) या चीका युक्त दोमट मिट्टी सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है।

...

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 10: भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गेहूँ की खेती के लिए आवश्यक मौसमी प्रतिरूप के संदर्भ में

नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन : शीत ऋतु के अंत में पकने की अवधि के दौरान होने वाली हल्की वर्षा, जिसे उत्तर-पश्चिमी भारत में 'मावट' कहा जाता है, गेहूँ की फसल के लिए अत्यधिक लाभकारी होती है।

कारण : गेहूँ मूल रूप से एक उष्णकटिबंधीय खरीफ फसल है जिसे पकने के समय तीव्र आर्द्रता और निरंतर जलभराव की आवश्यकता होती है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 11: भारत के तटीय एवं डेल्टाई राज्यों में धान की कृषि के विभिन्न ऋतु चक्रों (सस्य ऋतुओं) को सुमेलित कीजिये:

सूची I :

1. शरदकालीन धान फसल
2. शीतकालीन धान फसल
3. ग्रीष्मकालीन धान फसल

सूची II :

- a. अमन (Aman)
- b. बोरो (Boro)
- c. ऑस (Aus)

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

A) 1-b, 2-a, 3-c

B) 1-c, 2-a, 3-b

C) 1-a, 2-c, 3-b

D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 12: "यह तकनीक चावल उत्पादन की एक आधुनिक और कुशल विधि है, जिसमें पारंपरिक रोपण की तुलना में बहुत कम बीजों और न्यूनतम पानी का उपयोग करके प्रति हेक्टेयर उच्च पैदावार प्राप्त की जाती है। यह पर्यावरण के अनुकूल और जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाली प्रणाली है।"

उपरोक्त पैराग्राफ किस विशिष्ट कृषि पद्धति की

व्याख्या करता है?

A) मैकरोनी प्रणाली

B) SRI विधि (System of Rice Intensification)

C) झूमिंग कृषि पद्धति

D) शुष्क कृषि तकनीक

प्रश्न 13: कपास (Cotton) की खेती के लिए आवश्यक पाला रहित दिनों की अनिवार्यता और मृदा प्राथमिकताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I : कपास के पौधों के पूर्ण विकास और गुणवत्तापूर्ण रेशे के लिए कम से कम 210 पाला रहित (Frost-free) दिनों का होना अनिवार्य है।

कथन II : कपास की कृषि के लिए सर्वाधिक उपयुक्त 'काली मृदा' होती है, जिसे स्थानीय स्तर पर 'रेगुर' भी कहा जाता है।

कथन III : भारत में 'नरMa' मुख्य रूप से छोटे रेशे वाली देशी कपास की किस्म को कहा जाता है जो केवल दक्षिण भारत में उगती है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

A) केवल कथन I और कथन II

B) केवल कथन II और कथन III

C) केवल कथन I और कथन III

D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 14: भारत में चीनी उद्योग के स्थानिक प्रतिरूप और इसके क्षेत्रीय स्थानांतरण के कारकों के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन : पिछले कुछ दशकों में भारत का चीनी उद्योग उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश) से दक्षिण भारत (महाराष्ट्र और कर्नाटक) की ओर तेजी से स्थानांतरित हुआ है।

कारण : दक्षिण भारत की उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु के कारण वहाँ के गन्ने में सुक्रोज (Sucrose) की मात्रा अधिक होती है और मिलों का पेराई काल लंबा होता है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

- B) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
C) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
D) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

प्रश्न 15: भारत में व्यावसायिक नकदी फसलों के विधिक और आर्थिक मूल्य निर्धारण तंत्र के संदर्भ में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन : केंद्र सरकार द्वारा गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) घोषित किया जाता है, जो चीनी मिलों द्वारा किसानों को चुकाया जाना विधिक रूप से अनिवार्य है।

निष्कर्ष I : गन्ने का मूल्य निर्धारण पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कपास संघ की नीतियों द्वारा नियंत्रित होता है।

निष्कर्ष II : FRP प्रणाली भारत में गन्ना उत्पादक किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा और विधिक मूल्य की गारंटी प्रदान करती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 16: भारत में उत्पादित होने वाली गन्ने की फसलों के विभिन्न औद्योगिक उप-उत्पादों (By-products) और उनके आर्थिक उपयोग के आधार पर कौन सा मिलान असंगत है?

- A) खोई (Bagasse) - कागज उद्योग और बिजली उत्पादन (Co-generation) में ईंधन
B) शीरा (Molasses) - एथेनॉल उत्पादन और अल्कोहल निर्माण का मुख्य स्रोत
C) प्रेस मड (Press Mud) - रासायनिक कीटनाशकों का निर्माण
D) गन्ने का रस - चीनी, गुड़ और खांडसारी का उत्पादन

प्रश्न 17: भारत की प्रमुख बागानी पेय फसल चाय (Tea) के लिए आवश्यक धरातलीय और जलवायवीय परिस्थितियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I : चाय के पौधों की जड़ों में यदि जल का ठहराव (Waterlogging) हो जाए, तो पौधों की जड़ें सड़ जाती हैं; इसीलिए इसकी खेती पहाड़ी ढालों पर की जाती है।

कथन II : चाय की सफल कृषि के लिए प्रचुर वर्षा (150-300 सेमी) और अत्यधिक अम्लीय मिट्टी (pH 4.5 से 5.5) सबसे उपयुक्त मानी जाती है।

कथन III : दार्जिलिंग की चाय भारत का पहला ऐसा विशिष्ट उत्पाद है जिसे भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया गया था।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन II और कथन III
C) केवल कथन I और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 18: भारत में कॉफी (Coffee) की विभिन्न किस्मों और उनके पौधों की संवेदनशीलता के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन : भारत में कॉफी के पौधों को तीव्र और सीधी सूर्य की धूप से बचाने के लिए अक्सर बड़े छायादार वृक्षों के साथ उगाया जाता है।

कारण : भारत मुख्य रूप से केवल 'रोबस्टा' किस्म की चाय का उत्पादन करता है जो बर्फबारी वाले क्षेत्रों में फलीभूत होती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 19: भारत के विभिन्न राज्यों में स्थापित प्रमुख पेय फसलों (बागानी फसलों) के शीर्ष अनुसंधान केंद्रों को सुमेलित कीजिये:

सूची I (अनुसंधान संस्थान)

1. राष्ट्रीय चाय अनुसंधान केंद्र
2. केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान
3. राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र

सूची II (स्थान)

a. बालेहोनूर (चिकमगलूर, कर्नाटक)

b. सेवर (भरतपुर, राजस्थान)

c. जोरहाट (असम)

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

A) 1-a, 2-c, 3-b

B) 1-c, 2-a, 3-b

C) 1-b, 2-a, 3-c

D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 20: "यह कॉफी का एक अत्यंत विशिष्ट और अनूठा भारतीय प्रसंस्करण प्रकार है। इसके अंतर्गत कॉफी के हरे बीजों को मानसून की नम हवाओं के प्रभाव में कई हफ्तों तक खुला छोड़ दिया जाता है, जिससे बीजों के आकार, रंग और स्वाद में एक विशिष्ट परिवर्तन आ जाता है जो विश्व बाजार में अत्यधिक लोकप्रिय है।"

उपरोक्त परिच्छेद किस विशिष्ट कॉफी प्रसंस्करण तकनीक की व्याख्या करता है?

A) सीटीसी मालाबार चाय तकनीक

B) मानसून्ड मालाबार (Monsooned Malabar)

C) आइसली अरेबिका पद्धति

D) क्लोनल प्रसंस्करण प्रणाली

प्रश्न 21: भारत में दलहन फसलों के उत्पादन और उनकी कृषि-पारिस्थितिकीय विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: भारत विश्व में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता दोनों है, जहाँ अधिकांश दलहनी फसलें फलीदार होने के कारण वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करती हैं।

कथन II: अरहर (तुअर) एक ऐसी प्रमुख दलहन फसल है जो रबी सस्य ऋतु के दौरान उगाई जाती है और इसके पौधे अत्यधिक पाला सहन करने की क्षमता रखते हैं।

कथन III: दलहन की खेती के लिए शुष्क और कम नमी वाली गंधक-युक्त बलुई दोमट मिट्टी को विधिक रूप से सबसे उपयुक्त माना जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है?

A) केवल कथन I

B) केवल कथन I और कथन III

C) केवल कथन II और कथन III

D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 22: भारत में तिलहन फसलों के क्षेत्रीय वितरण और उनके आर्थिक महत्व के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारत के कुल तिलहन उत्पादन में मूंगफली और तोरिया/सरसों का संयुक्त रूप से लगभग अस्सी प्रतिशत से अधिक का योगदान पाया जाता है।

कारण: मूंगफली मुख्य रूप से दक्षिण और मध्य भारत की एक शुष्क रबी फसल है, जबकि सरसों उत्तर भारत की एक प्रमुख जल-प्रधान खरीफ फसल है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 23: भारत में खाद्य तेलों की घरेलू मांग और आयात निर्भरता के आर्थिक परिदृश्य के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-पाम ऑयल (NMEO-OP) के कार्यान्वयन के बावजूद भारत वर्तमान में अपनी कुल खाद्य तेल आवश्यकताओं का आधा से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है।

निष्कर्ष I: भारत तिलहन फसलों के उत्पादन में पूर्णतः आत्मनिर्भर हो चुका है जिससे खाद्य तेलों का आयात अब केवल लक्जरी उपभोग के लिए होता है।

निष्कर्ष II: घरेलू स्तर पर तिलहन फसलों की कम उत्पादकता और बढ़ती मांग के कारण भारत को ताड़ के तेल (पाम ऑयल) और सोयाबीन तेल के भारी आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

A) केवल निष्कर्ष I सत्य है

- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 24: भारत के प्रमुख तिलहन उत्पादक राज्यों और उनकी विशिष्ट फसलों के भौगोलिक वितरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

- A) राजस्थान - तोरिया और सरसों उत्पादन में देश में प्रथम स्थान
B) गुजरात - मूंगफली उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य
C) मध्य प्रदेश - सोयाबीन और कुल तिलहन उत्पादन का मुख्य केंद्र
D) असम - नारियल और सूरजमुखी उत्पादन का सबसे बड़ा प्रायद्वीपीय क्षेत्र

प्रश्न 25: शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF) के तकनीकी दर्शन और उसके व्यावहारिक कार्यान्वयन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: शून्य बजट प्राकृतिक खेती प्रणाली में बाह्य रासायनिक खादों के स्थान पर केवल स्थानीय स्तर पर तैयार 'जीवामृत' और 'बीजामृत' का उपयोग किया जाता है।

कथन II: जीवामृत मुख्य रूप से गाय के गोबर, मूत्र, गुड़, दाल के आटे और खेत की मिट्टी का एक जैविक घोल है जो मिट्टी में केंचुओं और सूक्ष्मजीवों को सक्रिय करता है।

कथन III: इस पद्धति में 'वापसा' (Whapasa) से तात्पर्य खेत में हर समय प्रचुर पानी भरकर रखने की विधिक विवशता से है ताकि पौधों की जड़ें डूबी रहें।

Ref:

उपरोक्त में से कौन से कथन सही है/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन II और कथन III
C) केवल कथन I और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 26: जैविक कृषि और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मानकीकरण के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP) का संचालन मुख्य रूप से भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत एपेडा (APEDA) द्वारा किया जाता है।

कारण: NPOP प्रमाणीकरण का प्राथमिक उद्देश्य केवल स्थानीय और घरेलू स्तर पर छोटे सीमांत किसानों के समूहों को बिना किसी विधिक कागजी कार्रवाई के सीधे स्व-प्रमाणन की छूट देना है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 27: भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपनाई जाने वाली आधुनिक पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: सहभागी गारंटी प्रणाली (PGS-India) भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा घरेलू जैविक बाजार के प्रमाणीकरण हेतु संचालित एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है।

निष्कर्ष I: PGS-India प्रमाणीकरण मुख्य रूप से केवल बड़े औद्योगिक कॉर्पोरेट निर्यातकों के लिए अनिवार्य और अत्यधिक खर्चीला विधिक ढांचा है।

निष्कर्ष II: यह प्रणाली छोटे और सीमांत किसानों के समूहों को आपस में एक-दूसरे के खेतों का निरीक्षण कर जैविक साख स्थापित करने की अनुमति देती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 28: आधुनिक कृषि प्रणालियों के अंतर्गत मृदा रहित और नियंत्रित वातावरण तकनीकों के संदर्भ में कौन सा वर्गीकरण असंगत है?

- A) हाइड्रोपोनिक्स - मिट्टी के बिना केवल पोषक तत्वों से भरपूर जल में पौधे उगाना
- B) एयरोपोनिक्स - पौधों की जड़ों को हवा में लटकाकर उन पर पोषक तत्वों का छिड़काव करना
- C) वर्टिकल फार्मिंग - नियंत्रित वातावरण में ऊर्ध्वाधर परतों में बहुमंजिला खेती करना
- D) प्रिसिजन फार्मिंग - खेतों में बिना किसी डेटा या तकनीक के पारंपरिक रूप से अत्यधिक रासायनिक छिड़काव करना

प्रश्न 29: भारत में लौह अयस्क के भू-वैज्ञानिक वितरण और उसकी गुणवत्ता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: भारत में लौह अयस्क मुख्य रूप से प्राचीन आर्कियन और धारवाड़ काल की बैंडेड आयरन फॉर्मेशन (BIF) चट्टानी संरचनाओं में संकेंद्रित पाया जाता है।

कथन II: मैग्नेटाइट एक उत्कृष्ट श्रेणी का काला चुंबकीय लौह अयस्क है, जिसके विशाल भंडार मुख्य रूप से भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम और मेघालय में पाए जाते हैं।

कथन III: हेमेटाइट भारत में पाया जाने वाला सर्वाधिक औद्योगिक महत्व का लाल लौह अयस्क है, जिसका संकेंद्रण ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड में है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 30: भारत के पश्चिमी और दक्षिणी लौह अयस्क गलियारों के परिवहन और निर्यात प्रतिरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: कर्नाटक के चिक्कमंगलुरु जिले में स्थित

कुद्रेमुख लौह अयस्क खदान से प्राप्त अयस्क को स्लरी (पंक) के रूप में पाइपलाइन द्वारा मंगलुरु बंदरगाह तक पहुँचाया जाता है।

कारण: कुद्रेमुख खदान का संपूर्ण उत्पादन पूरी तरह से घरेलू स्टील मिलों की खपत के लिए आरक्षित है और इसका विदेशों में निर्यात विधिक रूप से प्रतिबंधित है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 31: भारत के प्रमुख धात्विक खनिज क्षेत्रों और उनसे संबद्ध खदानों की भौगोलिक अवस्थिति को सुमेलित कीजिये:

सूची I (खनिज खदान)

- 1. नोआमुंडी और गुआ
- 2. बैलाडीला
- 3. बादामपहाड़

सूची II (संबद्ध राज्य)

- a. छत्तीसगढ़
- b. ओडिशा
- c. झारखंड

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-a, 2-b, 3-c
- B) 1-c, 2-a, 3-b
- C) 1-b, 2-a, 3-c
- D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 32: "यह मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित एक अत्यंत प्रसिद्ध खनिज पेटी है। यह एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत खदानों में से एक मानी जाती है, जहाँ से उत्पादित होने वाले उच्च श्रेणी के धात्विक खनिज का उपयोग मुख्य रूप से लौह-इस्पात उद्योग में लोहे को कठोरता प्रदान करने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता है।"

उपरोक्त लघु पैराग्राफ किस विशिष्ट खदान की

व्याख्या करता है?

- A) गुरुमहिषानी खान
- B) भरवेली खान (बालाघाट)
- C) किरूबुरु खान
- D) खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स

प्रश्न 33: बॉक्साइट (Bauxite) खनिज की भू-वैज्ञानिक संरचना और उसके औद्योगिक स्थान निर्धारण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: बॉक्साइट कोई विशिष्ट खनिज नहीं है, बल्कि यह एक लैटेराइट चट्टानी संरचना है जिसमें जलयोजित एल्युमिनियम ऑक्साइड की प्रचुरता पाई जाती है।

कथन II: एल्युमिनियम उद्योग की स्थापना के लिए बॉक्साइट खदान की निकटता से भी अधिक अनिवार्य शर्त सस्ती और अबाधित विद्युत (बिजली) की उपलब्धता होती है।

कथन III: भारत में बॉक्साइट का उत्पादन पूरी तरह से नगण्य है, जिसके कारण देश अपनी एल्युमिनियम आवश्यकताओं के लिए शत-प्रतिशत आयात पर निर्भर है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 34: भारत में तांबा (Copper) खनिज की उपलब्धता और इसकी भू-वैज्ञानिक शिराओं के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारत में तांबा अयस्क के भंडार अत्यंत प्रचुर और उच्च श्रेणी के हैं, जिससे भारत विश्व में तांबे का एक शुद्ध निर्यातक देश बना हुआ है।

कारण: मध्य प्रदेश का मलांजरखंड क्षेत्र देश का सबसे बड़ा तांबा उत्पादक केंद्र है जहाँ ओपन कास्ट (खुली खदान) पद्धति से सल्फाइड अयस्क का निष्कर्षण किया जाता है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण,

कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

- B) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- C) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 35: भारत के प्रमुख अलौह धात्विक खनिज निक्षेपों (बॉक्साइट और तांबा) के क्षेत्रीय वितरण के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: ओडिशा का कोरापुट जिला (पंचपतमाली निक्षेप) भारत का सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्र है, जबकि राजस्थान का खेतड़ी क्षेत्र तांबे के भंडार के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध है।

निष्कर्ष I: भारत में तांबा अयस्क में शुद्ध धातु की मात्रा (Grade) औसतन एक प्रतिशत से भी कम होती है, जो वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है।

निष्कर्ष II: बॉक्साइट और तांबे का भू-वैज्ञानिक संकेंद्रण पूरी तरह से उत्तर भारत के विशाल गंगा के मैदानी जलोढ़ क्षेत्रों में पाया जाता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 36: भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित बॉक्साइट निक्षेपों और उनके प्रमुख खनन केंद्रों के आधार पर कौन सा मिलान असंगत है?

- A) ओडिशा - पंचपतमाली (कोरापुट)
- B) झारखंड - लोहरदगा और गुमला
- C) गुजरात - कल्याणपुर क्षेत्र (जामनगर)
- D) मध्य प्रदेश - खेतड़ी और सिंधाना कॉम्प्लेक्स

प्रश्न 37: अभ्रक (Mica) के भौतिक गुणों और भारत में इसके विशिष्ट भू-वैज्ञानिक वितरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: अभ्रक में उत्कृष्ट विद्युत कुचालकता (Dielectric Strength) और उच्च वोल्टेज प्रतिरोध पाया जाता है, जिसके कारण यह इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए अपरिहार्य है।

कथन II: मस्कोवाइट (Muscovite) को 'सफेद अभ्रक' भी कहा जाता है, और झारखंड के कोडरमा क्षेत्र में मिलने वाला 'रूबी अभ्रक' इसी का उच्च गुणवत्ता वाला रूप है।

कथन III: आंध्र प्रदेश की नेल्लोर अभ्रक पेटी भारत की सबसे छोटी पेटी है जहाँ केवल अत्यंत घटिया श्रेणी का काला बायोटाइट अभ्रक प्रचुर मात्रा में मिलता है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही है/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 38: चूना पत्थर (Limestone) के औद्योगिक उपयोग और इसके श्रेणीगत प्रतिरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारत के कुल चूना पत्थर उत्पादन का लगभग पिचहत्तर प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले सीमेंट उद्योग में कच्चे माल के रूप में खप जाता है।

कारण: स्टील मेल्टिंग शॉप (SMS) ग्रेड का चूना पत्थर मुख्य रूप से अत्यंत घटिया श्रेणी का होता है जिसमें कैल्शियम कार्बोनेट की मात्रा बीस प्रतिशत से कम पाई जाती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 39: भारत के प्रमुख अधात्विक खनिजों के अग्रणी उत्पादक राज्यों और उनके विशिष्ट औद्योगिक केंद्रों को सुमेलित कीजिये:

सूची I (खनिज केंद्र)

- 1. जामसर (बीकानेर)
- 2. सोनू क्षेत्र (जैसलमेर)
- 3. सेलम पेटी (तमिलनाडु)

सूची II (खनिज / ग्रेड)

- a. स्टील (SMS) ग्रेड चूना पत्थर
 - b. मैग्नेसाइट (तापसह खनिज)
 - c. जिप्सम (हर्षोठ)
- नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-a, 2-b, 3-c
- B) 1-c, 2-a, 3-b
- C) 1-b, 2-a, 3-c
- D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 40: "यह एक बहुमूल्य अधात्विक खनिज है जो रासायनिक रूप से जलयोजित कैल्शियम सल्फेट होता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से सीमेंट के जमने के समय (Setting Time) को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, साथ ही कृषि क्षेत्र में क्षारीय और लवणीय भूमि के विधिक सुधार हेतु मृदा संशोधक के रूप में इसकी भारी मांग रहती है।"

उपरोक्त पैराग्राफ किस विशिष्ट अधात्विक खनिज की व्याख्या करता है?

- A) फेल्स्पार (Felspar)
- B) जिप्सम (Gypsum)
- C) डोलोमाइट (Dolomite)
- D) एस्बेस्टस (Asbestos)

प्रश्न 41: भारत की प्रमुख खनिज पेटियों और उनकी भू-वैज्ञानिक विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: उत्तर-पूर्वी पठारी पेटी को 'भारत का रूर' कहा जाता है, जहाँ छोटा नागपुर पठार और ओडिशा के क्षेत्रों में धारवाड़ तथा गोंडवाना दोनों प्रणालियों की चट्टानें पाई जाती हैं।

कथन II: दक्षिण-पश्चिमी पठारी पेटी मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में विस्तृत है, जो उच्च कोटि के धात्विक खनिजों जैसे लोहा और सोना के भंडार के मामले में अत्यधिक समृद्ध है।

कथन III: उत्तर-पश्चिमी पेटी के अंतर्गत आने

वाला पूरा अरावली क्षेत्र भू-वैज्ञानिक रूप से केवल नवीन टर्शियरी अवसादी चट्टानों से निर्मित है जिसमें धात्विक खनिजों का पूर्ण अभाव है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I और कथन III
- B) केवल कथन I और कथन II
- C) केवल कथन II और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 42: भारत की खनिज संरचना और उसके क्षेत्रीय वितरण के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: देश के लगभग सत्तानवे प्रतिशत से अधिक मूल्यवान कोयला भंडार मुख्य रूप से दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में संकेंद्रित पाए जाते हैं।

कारण: प्रायद्वीपीय पठार की ये नदी घाटियाँ भू-वैज्ञानिक रूप से प्राचीन धारवाड़ आग्नेय चट्टानों का प्रतिनिधित्व करती हैं जिनमें जीवाश्म ईंधन का सर्वाधिक संचय हुआ है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 43: भारत के विशिष्ट तटीय एवं प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले खनिज संसाधनों के आर्थिक महत्व के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: केरल के मालाबार तट की भारी बालू (रेत) में मोनाजाइट निक्षेप प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो देश की परमाणु ऊर्जा रणनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष I: मोनाजाइट रेत मुख्य रूप से थोरियम का एक अत्यंत मूल्यवान और समृद्ध प्राकृतिक स्रोत है।

निष्कर्ष II: केरल के इन तटीय प्लेसर निक्षेपों से प्राप्त खनिजों का उपयोग केवल बड़े पैमाने पर

कोकिंग कोयले के विकल्प के रूप में लौह-इस्पात भट्टियों में किया जाता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 44: भारत के विभिन्न भू-वैज्ञानिक चट्टानी तंत्रों और उनमें पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों के सह-संबंध के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

- A) धारवाड़ तंत्र - लौह अयस्क, मैंगनीज और क्रोमियम जैसे धात्विक खनिज
- B) गोंडवाना तंत्र - विंध्यन पर्वतमाला के समानांतर प्रचुर लिग्नाइट कोयला निक्षेप
- C) कुडप्पा और विंध्यन तंत्र - चूना पत्थर, डोलोमाइट और बलुआ पत्थर जैसे अधात्विक खनिज
- D) टर्शियरी तंत्र - असम, गुजरात और मुंबई हाई के अवसादी बेसिनों में खनिज तेल

प्रश्न 45: भारत में पारंपरिक कोयला संसाधनों के श्रेणीगत वर्गीकरण और उनके रासायनिक गुणों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: एन्थ्रेसाइट भारत में पाया जाने वाला सबसे घटिया श्रेणी का कोयला है जिसमें कार्बन की मात्रा चालीस प्रतिशत से भी कम होती है और यह जलने पर अत्यधिक धुआँ छोड़ता है।

कथन II: भारत के कुल कोयला भंडारों का अधिकांश हिस्सा बिटुमिनस श्रेणी का है, जो मुख्य रूप से प्राचीन गोंडवाना काल के निक्षेपों से संबद्ध है।

कथन III: लिग्नाइट को 'भूरा कोयला' भी कहा जाता है, जिसमें नमी की मात्रा अधिक होती है और इसका सबसे बड़ा संकेंद्रण तमिलनाडु के नेवेली में है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही है/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 46: भारत में औद्योगिक कोकिंग कोयले की उपलब्धता और विदेशी व्यापार प्रतिरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारतीय लौह-इस्पात उद्योगों को अपनी ब्लास्ट फर्नेस आवश्यकताओं के लिए प्रतिवर्ष ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से भारी मात्रा में कोकिंग कोल का आयात करना पड़ता है।

कारण: भारत में उत्पादित होने वाले अधिकांश बिटुमिनस कोयले में 'राख' (Ash Content) की मात्रा अत्यधिक (35% से 45%) होती है, जो इसे सीधे इस्पात प्रगलन के लिए अनुपयुक्त बनाती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 47: भारत के विभिन्न राज्यों में फैले पारंपरिक कोयला खनन केंद्रों के आर्थिक एवं स्थानिक महत्व पर विचार कीजिये:

कथन: झारखंड का झरिया क्षेत्र और पश्चिम बंगाल का रानीगंज क्षेत्र दामोदर नदी घाटी पेटी के अंतर्गत आने वाले भारत के अत्यंत ऐतिहासिक कोयला क्षेत्र हैं।

निष्कर्ष I: रानीगंज भारत का सबसे पहला और प्राचीन कोयला खनन केंद्र है जहाँ से व्यावसायिक उत्पादन का इतिहास जुड़ा है।

निष्कर्ष II: झरिया वर्तमान में भारत का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ से देश की शत-प्रतिशत विद्युत आवश्यकता को पूरा करने वाला प्राकृतिक

एन्थ्रेसाइट कोयला निकाला जाता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 48: भारत की विभिन्न नदी घाटियों में स्थित प्रमुख कोयला क्षेत्रों (Coalfields) के भौगोलिक वितरण के आधार पर कौन सा मिलान असंगत है?

- A) महानदी घाटी पेटी - तालचर (ओडिशा)
- B) हसदेव-महानदी घाटी - कोरबा (छत्तीसगढ़)
- C) सोन नदी घाटी - सिंगरेनी (तेलंगाना)
- D) दामोदर नदी घाटी - बोकारो और करनपुरा (झारखंड)

प्रश्न 49: भारत में कच्चे तेल (पेट्रोलियम) के भू-वैज्ञानिक अन्वेषण और इसके ऐतिहासिक तटीय बेसिनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: असम का डिगबोई क्षेत्र भारत का सबसे पुराना सक्रिय तेल क्षेत्र है, जहाँ उन्नीसवीं शताब्दी के अंत (1889) में तेल की खोज की गई थी।

कथन II: गुजरात का अंकलेश्वर क्षेत्र खंभात बेसिन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण तेल उत्पादक केंद्र है, जिसे स्थानीय स्तर पर 'वसुधारा' के नाम से भी जाना जाता है।

कथन III: भारत का संपूर्ण पेट्रोलियम उत्पादन केवल गहरे हिमनद क्षेत्रों में होता है और तटीय अवसादी बेसिनों में कच्चे तेल का पूर्ण अभाव पाया जाता है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III

D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 50: भारत के पश्चिमी अपतटीय (Offshore) तेल क्षेत्रों और उनकी परिचालन अवसंरचना के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: मुंबई हाई अरब सागर में स्थित भारत का एक अत्यंत विशाल अपतटीय तेल क्षेत्र है, जो देश के कुल घरेलू कच्चे तेल उत्पादन में सर्वाधिक योगदान देता है।

कारण: इस गहरे समुद्री क्षेत्र से कच्चे तेल का निष्कर्षण करने के लिए भारत पूरी तरह से केवल पारंपरिक बैलगाड़ी आधारित प्रणालियों पर निर्भर है और यहाँ जहाजों का प्रवेश वर्जित है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 51: भारत के प्रमुख तटीय एवं आंतरिक पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्रों और उनसे संबद्ध विशिष्ट कुओं/स्थानों के नाम को सुमेलित कीजिये:

सूची I (तेल / गैस क्षेत्र)

1. बाड़मेर-सांचौर बेसिन
2. मुंबई तट के दक्षिण का क्षेत्र
3. कृष्णा-गोदावरी बेसिन

सूची II (विशिष्ट कुआँ / ब्लॉक)

- a. वसीन (Bassein) गैस क्षेत्र
- b. मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या
- c. डी-6 (D-6) ब्लॉक

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-a, 2-b, 3-c
B) 1-b, 2-a, 3-c

- C) 1-b, 2-c, 3-a
D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 52: "यह भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक ऊर्जा अवसंरचना नेटवर्क है जो गुजरात के तटीय क्षेत्र हजीरा से प्रारंभ होकर मध्य प्रदेश के विजईपुर होते हुए उत्तर प्रदेश के जगदीशपुर तक विस्तृत है। यह देश की पहली लंबी दूरी की अंतर-राज्यीय गैस पाइपलाइन है जो उर्वरक और बिजली संयंत्रों को कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करती है।" उपरोक्त लघु पैराग्राफ किस विशिष्ट परिवहन नेटवर्क की व्याख्या करता है?

- A) सलाया-कोयाली-मथुरा पाइपलाइन
B) HVJ प्राकृतिक गैस पाइपलाइन
C) जामनगर-लोनी एलपीजी नेटवर्क
D) कांडला-भटिंडा पेट्रोलियम ग्रिड

प्रश्न 53: भारत में सौर ऊर्जा की तकनीकी संभावनाओं और इसके क्षेत्रीय विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है जहाँ वर्ष में लगभग तीन सौ दिन खिली हुई धूप उपलब्ध रहती है, जिससे देश की कुल सौर क्षमता लगभग 750 गीगावाट आंकी गई है।

कथन II: राजस्थान का भड़ला सोलर पार्क (जोधपुर) विश्व के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक है, जिसकी स्थापित क्षमता दो हजार मेगावाट से अधिक है।

कथन III: भारत में सौर तापीय ऊर्जा (Solar Thermal) का उत्पादन केवल अत्यधिक बर्फबारी वाले क्षेत्रों में सिलिकॉन से बनी सौर फोटोवोल्टिक सेलों के माध्यम से किया जाता है। उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन III
B) केवल कथन I और कथन II
C) केवल कथन II और कथन III

D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 54: भारत में पवन ऊर्जा (Wind Energy) के उत्पादन और इसके लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: तमिलनाडु का मुप्पंडल पवन फार्म अपनी विशाल स्थापित क्षमता के लिए प्रसिद्ध है, और यह राज्य भारत में पवन ऊर्जा के कुल संकेंद्रण में अग्रणी स्थान रखता है।

कारण: पवन टरबाइन के ब्लेडों को सुचारू रूप से चलाने के लिए वायु की गति का पूरी तरह से शून्य (0 किमी/घंटा) होना विधिक रूप से अनिवार्य है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 55: भारत सरकार द्वारा अक्षय ऊर्जा के विकास हेतु क्रियान्वित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय नीतियों के संदर्भ में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: अंतराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) भारत और फ्रांस की एक संयुक्त वैश्विक पहल है, जिसका केंद्रीय मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम शहर में स्थापित किया गया है।

निष्कर्ष I: ISA का मूल विजन 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' (OSOWOG) के सिद्धांत पर आधारित है जो वैश्विक सौर ग्रिड के एकीकरण पर बल देता है।

निष्कर्ष II: यह संगठन केवल कच्चे पेट्रोलियम तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य और ओपेक देशों के उत्पादन कोटा को नियंत्रित करने का विधिक कार्य करता है।

A) केवल निष्कर्ष I सत्य है

B) केवल निष्कर्ष II सत्य है

C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं

D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 56: भारत के विभिन्न राज्यों में स्थापित प्रमुख अक्षय ऊर्जा (सौर एवं पवन ऊर्जा) परियोजनाओं के भौगोलिक संकेंद्रण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

A) कर्नाटक - पावागढ़ सोलर पार्क (तुमकुरु)

B) मध्य प्रदेश - रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्रोजेक्ट

C) राजस्थान - जैसलमेर पवन ऊर्जा फार्म कॉम्प्लेक्स

D) असम - मुप्पंडल तटीय ऑफशोर पवन टरबाइन केंद्र

प्रश्न 57: भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम और इसके लिए आवश्यक खनिज कच्चे माल के भू-वैज्ञानिक स्रोतों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: झारखंड के सिंहभूम जिले में स्थित जादूगुड़ा (Jaduguda) की खान भारत की पहली और अत्यंत प्रमुख यूरेनियम खदान है।

कथन II: आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में स्थित तुम्मालापल्ले (Tummalapalle) खदान में विश्व के सबसे बड़े यूरेनियम भंडारों में से एक होने का अनुमान लगाया गया है।

कथन III: भारत में थोरियम खनिज का पूरी तरह से अभाव पाया जाता है और देश में मोनाजाइट अयस्क की उपलब्धता शून्य प्रतिशत है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

A) केवल कथन I और कथन III

B) केवल कथन I और कथन II

C) केवल कथन II और कथन III

D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 58: जलविद्युत ऊर्जा (Hydroelectric Power) के उत्पादन और इसके स्थानिक

कारकों के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और विशेष रूप से ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में देश की सर्वाधिक 'दोहन योग्य' जलविद्युत क्षमता निहित पाई जाती है।

कारण: पूर्वोत्तर भारत का भू-भाग पूरी तरह से समतल मरुस्थलीय मैदान का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ बारहमासी नदियों का पूर्ण अभाव पाया जाता है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 59: भारत में स्थापित क्रियाशील परमाणु ऊर्जा केंद्रों और उनसे संबद्ध भौगोलिक राज्यों की अवस्थिति को सुमेलित कीजिये:

सूची I (परमाणु ऊर्जा केंद्र)

1. काकरापार
2. कैगा
3. कुडनकुलम

सूची II (संबद्ध राज्य)

- a. कर्नाटक
- b. तमिलनाडु
- c. गुजरात

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-a, 2-c, 3-b
B) 1-c, 2-a, 3-b
C) 1-b, 2-a, 3-c
D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 60: "यह ऊर्जा का एक पुनर्चक्रणीय और स्वच्छ स्रोत है जो मुख्य रूप से जैविक पदार्थों जैसे कृषि अवशेष, गन्ने की खोई (Bagasse)

और पशु अपशिष्ट से प्राप्त होता है। भारत सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 'गोवर्धन योजना' के माध्यम से इसके व्यापक विनिर्माण और अवायवीय पाचन द्वारा मीथेन गैस के उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है।" उपरोक्त पैराग्राफ किस विशिष्ट गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन की व्याख्या करता है?

- A) ज्वारीय ऊर्जा (Tidal Energy)
B) बायोमास और बायोगैस ऊर्जा
C) भू-तापीय ऊर्जा (Geothermal Energy)
D) शेल गैस संसाधन

प्रश्न 61: अल्फ्रेड वेबर के औद्योगिक स्थानीयकरण सिद्धांत और पदार्थ सूचकांक (Material Index) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: यदि किसी उद्योग का पदार्थ सूचकांक (MI) एक से अधिक है, तो वह उद्योग विधिक रूप से कच्चे माल के स्रोतों के निकट स्थापित होगा।

कथन II: शुद्ध कच्चे माल (जैसे कपास) का उपयोग करने वाले उद्योगों का पदार्थ सूचकांक सामान्यतः एक से कम या उसके बराबर होता है, जिससे वे बाजार के पास भी स्थापित हो सकते हैं।

कथन III: वेबर के अनुसार, श्रम लागत में होने वाली बचत कभी भी परिवहन लागत में होने वाली अतिरिक्त वृद्धि से अधिक नहीं हो सकती, जिससे 'आइसोडोपेन' की अवधारणा पूरी तरह निरस्त हो जाती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I
B) केवल कथन I और कथन II
C) केवल कथन II और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 62: आधुनिक उद्योगों के स्थानीयकरण और परिवहन लागत के बदलते स्वरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: हूवर के औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत के अनुसार, 'ब्रेक-ऑफ-बल्क' (Break-of-bulk) बिंदु स्वतः ही नए विनिर्माण उद्योगों के स्थानीयकरण के लिए आदर्श केंद्र बन जाते हैं।

कारण: ब्रेक-ऑफ-बल्क ऐसे भौगोलिक स्थान होते हैं जहाँ परिवहन के साधनों में बिना किसी अतिरिक्त लागत या माल के हस्तांतरण के निरंतर गति बनी रहती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 63: आधुनिक युग में उभरे 'स्वच्छंद उद्योगों' (Footloose Industries) की अवस्थिति प्राथमिकताओं के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: इलेक्ट्रॉनिक्स घटक, मोबाइल फोन असेंबली और सॉफ्टवेयर विकास जैसे उद्योग किसी विशिष्ट भार-हासमान कच्चे माल के स्रोतों से बंधे नहीं होते हैं।

निष्कर्ष I: स्वच्छंद उद्योगों के स्थानीयकरण में कच्चे माल की परिवहन लागत सबसे निर्णायक और प्राथमिक विधिक कारक होती है।

निष्कर्ष II: ये उद्योग परिवहन नेटवर्क की सुगमता, कुशल श्रम और बाज़ार तक पहुँच वाले किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में आसानी से स्थापित किए जा सकते हैं।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 64: औद्योगिक पुंज (Industrial Agglomeration) और समूहन अर्थव्यवस्था के व्यावहारिक कारकों के भौगोलिक प्रतिरूप के

आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

- A) आइसोडोपेन - समान कुल परिवहन लागत वाले बिंदुओं को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा
B) औद्योगिक जड़त्व (Industrial Inertia) - कच्चे माल के समाप्त होने के बाद भी उद्योग का उसी स्थान पर बने रहना
C) ऑटोमोबाइल क्लस्टर - केवल भार-वृद्धि वाले शीघ्र नष्ट होने वाले बेकरी उत्पादों का केंद्रीकरण
D) समूहन अर्थव्यवस्था - साझा बुनियादी ढाँचे और बैंकिंग सुविधाओं के कारण लागत में होने वाली कमी

प्रश्न 65: भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापना और उनके कच्चे माल की कड़ियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: द्वितीय पंचवर्षीय योजना के दौरान स्थापित भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति डल्ली-राजहरा की खदानों से होती है।

कथन II: बोकारो इस्पात संयंत्र की स्थापना परिवहन लागत न्यूनतम करने के सिद्धांत पर 'कोयला क्षेत्र' (झरिया) के निकट स्वदेशी डिजाइन के तहत की गई थी।

कथन III: राउरकेला इस्पात संयंत्र पूरी तरह से दक्षिण भारत के सुदूर तटीय केरल क्षेत्र से मिलने वाले लिग्नाइट कोयले पर निर्भर है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन III
B) केवल कथन I और कथन II
C) केवल कथन II और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 66: भारत के विशिष्ट लौह एवं इस्पात संयंत्रों के अवस्थिति प्रतिरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र (VSP) भारत का पहला ऐसा एकीकृत इस्पात संयंत्र है जो पूरी तरह से तटवर्ती (Shore-based) अवस्थिति पर स्थित है।

कारण: तटवर्ती अवस्थिति होने के कारण इस संयंत्र को विदेशों से उच्च श्रेणी के कोकिंग कोयले के आयात और तैयार माल के निर्यात में अत्यधिक भौगोलिक सुगमता प्राप्त होती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 67: भारत की राष्ट्रीय इस्पात नीति (NSP) 2017 के दूरगामी लक्ष्यों के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 के तहत वर्ष 2030-31 तक देश की कुल कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता को 300 मीट्रिक टन तक पहुँचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

निष्कर्ष I: इस नीति का प्राथमिक उद्देश्य भारत में घरेलू इस्पात के प्रति व्यक्ति उपभोग को घटाकर शून्य किलोग्राम करना है।

निष्कर्ष II: यह नीति कोकिंग कोयले की आयात निर्भरता को कम करने के लिए गैस आधारित प्रणालियों और आधुनिक 'ग्रीन स्टील' तकनीकों को प्रोत्साहित करती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 68: सार्वजनिक क्षेत्र के एकीकृत इस्पात संयंत्रों और उन्हें औद्योगिक प्रक्रम हेतु जल की निरंतर आपूर्ति करने वाली नदियों/स्रोतों का कौन

सा मिलान असंगत है?

- A) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (TISCO) - स्वर्णरेखा और खरकई नदियाँ
B) बोकारो इस्पात संयंत्र - दामोदर नदी (तेनुघाट बांध)
C) राउरकेला इस्पात संयंत्र - ब्राह्मणी नदी (कोयल और शंख का संगम)
D) भिलाई इस्पात संयंत्र - दक्षिण भारत की कावेरी नदी और शिवसमुद्रम नहर

प्रश्न 69: भारत में सूती वस्त्र उद्योग के क्षेत्रीय वितरण और इसकी मिलों के स्थानिक केंद्रीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: मुंबई को 'भारत की सूती वस्त्रों की राजधानी' कहा जाता है, जहाँ तटीय आर्द्र जलवायु और बंदरगाह की निकटता ने इस उद्योग को आकर्षित किया।

कथन II: तमिलनाडु में सूती वस्त्र मिलों की संख्या भारत में सर्वाधिक है, जो मुख्य रूप से कपड़ों की बुनाई के बजाय कताई (Spinning) और सूत उत्पादन पर केंद्रित हैं।

कथन III: कानपुर को 'दक्षिण भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है, जहाँ केवल बहुत ही उच्च श्रेणी के लंबे अमेरिकन रेशे वाली कपास उगाई जाती है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन II और कथन III
C) केवल कथन I और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 70: पिछले कुछ दशकों में भारत के चीनी उद्योग के उत्तरी राज्यों से दक्षिणी राज्यों की ओर स्थानांतरण के भौगोलिक कारकों के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारत का चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश और

बिहार के पारंपरिक क्षेत्रों से हटकर अब महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु की ओर तेजी से विस्तृत हो रहा है।

कारण: दक्षिण भारत की उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायवीय दशाओं के कारण वहाँ के गन्ने में सुक्रोज की मात्रा अधिक होती है और मिलों का पेराई काल उत्तर की तुलना में लंबा होता है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

प्रश्न 71: भारत के प्रमुख औद्योगिक नगरों को उनके विख्यात भौगोलिक उपनामों (संज्ञाओं) के साथ सुमेलित कीजिये:

सूची I (औद्योगिक नगर)

1. अहमदाबाद
2. कोयंबटूर
3. भीलवाड़ा

सूची II (भौगोलिक उपनाम)

- a. दक्षिण भारत का मैनचेस्टर
- b. राजस्थान का मैनचेस्टर (वस्त्र नगरी)
- c. भारत का मैनचेस्टर

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-b, 2-a, 3-c
- B) 1-c, 2-a, 3-b
- C) 1-c, 2-b, 3-a
- D) 1-a, 2-c, 3-b

प्रश्न 72: "यह भारत के चीनी उद्योग से प्राप्त होने वाला एक अत्यंत मूल्यवान और महत्वपूर्ण औद्योगिक उप-उत्पाद है। पेराई के बाद प्राप्त इस द्रव अवशेष का उपयोग मुख्य रूप से अल्कोहल निर्माण और वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल में बीस प्रतिशत तक सम्मिश्रण किए जाने वाले

एथेनॉल (Ethanol) के उत्पादन के लिए प्राथमिक कच्चे माल के रूप में किया जा रहा है।" उपरोक्त लघु पैराग्राफ किस विशिष्ट उप-उत्पाद की व्याख्या करता है?

- A) गन्ने की खोई (Bagasse)
- B) शीरा (Molasses)
- C) प्रेस मड (Press Mud)
- D) खांडसारी अवशेष

प्रश्न 73: भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग के स्थानिक वितरण और इसके प्रमुख औद्योगिक पुंजों (Clusters) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: चेन्नई को भारत के सघन वाहन निर्माण और पुर्जों के उद्योगों के संकेंद्रण के कारण 'एशिया का डेट्रायट' कहा जाता है।

कथन II: गुरुग्राम-मानेसर बेल्ट भारत के उत्तरी भाग का एक अत्यंत विशाल ऑटोमोबाइल क्लस्टर है जहाँ मारुति सुजुकी और दुपहिया वाहनों का भारी उत्पादन होता है।

कथन III: भारत वर्तमान में वैश्विक स्तर पर यात्री कारों और भारी ट्रैक्टरों के निर्माण में पूरी तरह से शून्य स्थान रखता है और यहाँ विनिर्माण प्रतिबंधित है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन III
- B) केवल कथन I और कथन II
- C) केवल कथन II और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 74: भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (IT) उद्योग के विकास और इसके स्थानिक कारकों के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: बेंगलुरु को 'भारत की सिलिकॉन वैली' कहा जाता है, जो देश के सॉफ्टवेयर विकास, स्टार्टअप ईकोसिस्टम और आईटी निर्यात का सबसे अग्रणी केंद्र बना हुआ है।

कारण: सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग पूरी तरह से एक भारी 'भार-हासमान' उद्योग है जो केवल गहरे कोयला क्षेत्रों और लौह खदानों के मुहानों पर ही क्रियाशील हो सकता है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 75: भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र और सूचना प्रौद्योगिकी (IT-BPM) उद्योग की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI) के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क और इंटरनेट अवसंरचना के विस्तार ने भारत को सॉफ्टवेयर सेवाओं के वैश्विक आउटसोर्सिंग का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

निष्कर्ष I: भारत के कुल सेवा निर्यात का पचास प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के माध्यम से प्राप्त होता है।

निष्कर्ष II: आईटी उद्योग केवल ग्रामीण निरक्षर कृषि श्रमिकों को भारी शारीरिक श्रम आधारित विनिर्माण रोजगार देने की विधिक गारंटी प्रदान करता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 76: भारत सरकार द्वारा ऑटोमोबाइल और विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लागू की गई आधुनिक औद्योगिक नीतियों में से कौन सा मिलान असंगत है?

- A) FAME-II योजना - इलेक्ट्रिक वाहनों (EV)

के तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण को बढ़ावा देना
B) भारत चरण (BS) मानक - वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु कड़े नियामक मापदंड

- C) PLI योजना - उत्पादन आधारित प्रोत्साहन के माध्यम से घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना
D) राष्ट्रीय वाहन स्कैपेज नीति - केवल शत-प्रतिशत नए इंजनों के आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना

प्रश्न 77: भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों (Industrial Regions) के भू-वैज्ञानिक और भौगोलिक निर्धारण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: छोटा नागपुर औद्योगिक प्रदेश को 'भारत का रूर' कहा जाता है, जिसका विकास मुख्य रूप से इस क्षेत्र में लोहा, कोयला और मैंगनीज की प्रचुर उपलब्धता के कारण हुआ।

कथन II: हुगली औद्योगिक प्रदेश का विस्तार गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा के जूट उत्पादक क्षेत्रों, अंतःस्थलीय जलमार्ग और औपनिवेशिक काल के कोलकाता बंदरगाह की निकटता से जुड़ा हुआ है।

कथन III: गुजरात औद्योगिक प्रदेश का संपूर्ण विकास केवल भारी हिमालयी हिमनदों से मिलने वाली सस्ती जलविद्युत और रेशम की खेती पर आधारित है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन II और कथन III
C) केवल कथन I और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 78: भारत के बाजार-उन्मुख और दक्षिण भारतीय औद्योगिक प्रदेशों के स्थानिक कारकों के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: गुरुग्राम-दिल्ली-मेरठ औद्योगिक प्रदेश

मुख्य रूप से एक बाज़ार-उन्मुख क्षेत्र है जिसका विकास कच्चे माल के बजाय उच्च उपभोक्ता मांग और प्रशासनिक अवस्थिति के कारण हुआ।

कारण: इस उत्तरी मैदान में किसी भी प्रकार के राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे या रेलमार्गों का संजाल पूरी तरह से अनुपस्थित पाया जाता है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 79: भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय तथा राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर प्राधिकरण द्वारा संचालित आधुनिक अवसंरचना गलियारों को सुमेलित कीजिये:

सूची I (औद्योगिक गलियारा)

1. DMIC (दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा)
2. AKIC (अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा)
3. CBIC (चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारा)

सूची II (मुख्य उद्देश्य / मार्ग)

- a. उत्तर भारत के सघन आबादी वाले कृषि बेल्ट को पूर्वी विनिर्माण केंद्रों से जोड़ना
 - b. दक्षिण भारत के तकनीकी और ऑटोमोबाइल हब को आपस में एकीकृत करना
 - c. जापान के वित्तीय सहयोग से समर्पित माल ढुलाई और स्मार्ट सिटी का विकास
- नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-b, 2-a, 3-c
- B) 1-c, 2-a, 3-b
- C) 1-a, 2-c, 3-b
- D) 1-c, 2-b, 3-a

प्रश्न 80: "यह केरल के तटीय जिलों में विस्तृत भारत का एक अनूठा लघु औद्योगिक प्रदेश है। यहाँ के स्थानीयकरण के प्राथमिक भौगोलिक कारकों में नारियल, रबर और मसालों की प्रचुर कृषि उपलब्धता के साथ-साथ केरल के बैकवॉटर्स (कायल) जलमार्गों द्वारा मिलने वाला सस्ता परिवहन शामिल है। यह मुख्य रूप से काजू प्रसंस्करण और कॉयर (नारियल रेशा) उत्पादों के लिए प्रसिद्ध है।"

उपरोक्त पैराग्राफ किस विशिष्ट औद्योगिक प्रदेश की व्याख्या करता है?

- A) विशाखापत्तनम-गुंटूर औद्योगिक प्रदेश
- B) कोल्लम-तिरुवनंतपुरम औद्योगिक प्रदेश
- C) मुंबई-ठाणे बेल्ट कॉम्प्लेक्स
- D) छोटा नागपुर कोयला क्षेत्र प्रदेश

प्रश्न 81: भारत के राष्ट्रीय राजमार्गों के वैज्ञानिक नामकरण तंत्र (New Numbering System) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर जाने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को अनिवार्य रूप से सम संख्या (Even Numbers) दी गई है।

कथन II: पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर जाने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को विषम संख्या (Odd Numbers) आवंटित की गई है।

कथन III: मुख्य राजमार्गों से निकलने वाली शाखाओं या लूप को हमेशा एक अंक की प्राथमिक संख्या द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है?

- A) केवल कथन I और कथन III
- B) केवल कथन I और कथन II
- C) केवल कथन II और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 82: भारतमाला परियोजना के रणनीतिक उद्देश्यों और क्षेत्रीय परिवहन गलियारों के संदर्भ में

नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: भारतमाला परियोजना के अंतर्गत देश के तटीय बंदरगाहों और सीमावर्ती सामरिक क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

कारण: इस राष्ट्रीय परियोजना का एकमात्र विधिक उद्देश्य भारत के सभी ग्रामीण थार मरुस्थलीय कच्चे रास्तों को सीधे सौर ऊर्जा संचालित जलमार्गों में परिवर्तित करना है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 83: स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना और उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम महा-गलियारों के आर्थिक महत्व के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: भारत का उत्तर-दक्षिण गलियारा श्रीनगर को कन्याकुमारी से तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा पोरबंदर को सिलचर से जोड़ता है।

निष्कर्ष I: ये दोनों वृहद राष्ट्रीय परिवहन गलियारे एक-दूसरे को राजस्थान के सुदूर जैसलमेर शहर में विधिक रूप से प्रतिच्छेद करते हैं।

निष्कर्ष II: इन गलियारों के सुदृढीकरण से देश के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्रों के बीच माल परिवहन की समय और लॉजिस्टिक्स लागत में भारी कमी आती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 84: भारत के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (नवीनतम नंबरिंग तंत्र) और उनके द्वारा जोड़े जाने वाले प्रारंभिक एवं अंतिम भौगोलिक स्थानों के

आधार पर कौन सा मिलान असंगत है?

- A) NH 44 - श्रीनगर से कन्याकुमारी
B) NH 27 - पोरबंदर से सिलचर
C) NH 48 - दिल्ली से चेन्नई
D) NH 19 - पोरबंदर से कोलकाता

प्रश्न 85: भारतीय रेलवे के पटरियों (Gauges) के तकनीकी वर्गीकरण और वर्तमान परिचालन नीतियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: ब्रॉड गेज (Broad Gauge) के अंतर्गत दो पटरियों के बीच की दूरी विधिक रूप से 1.676 मीटर (5 फीट 6 इंच) निर्धारित होती है।

कथन II: मीटर गेज में पटरियों की चौड़ाई ठीक एक मीटर होती है, जिसका देश के कुल रेल यातायात में वर्तमान में अस्सी प्रतिशत हिस्सा बना हुआ है।

कथन III: भारत में शहरी मेट्रो रेल प्रणालियों और आगामी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजनाओं में मुख्य रूप से मानक गेज (1.435 मीटर) का उपयोग किया जा रहा है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन I और कथन III
C) केवल कथन II और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 86: समर्पित फ्रेट कॉरिडोर (DFC) की स्थापना और रेलवे के वर्तमान लॉजिस्टिक्स प्रतिरूप के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) के निर्माण से भारतीय रेलवे के मालगाड़ी नेटवर्क की परिचालन दक्षता और औसत गति में क्रांतिकारी सुधार दर्ज किया जा रहा है।

कारण: DFC लाइनों पर केवल भारी यात्री एक्सप्रेस गाड़ियों का ही संचलन होता है और यहाँ मालगाड़ियों का प्रवेश विधिक रूप से पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य है परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 87: पश्चिमी समर्पित फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) की भौगोलिक अवस्थिति और औद्योगिक प्रासंगिकता के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: पश्चिमी समर्पित फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) उत्तर प्रदेश के दादरी से प्रारंभ होकर मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT) तक विस्तृत है।

निष्कर्ष I: यह विशिष्ट रेल गलियारा पूरी तरह से दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (DMIC) की अवसंरचनात्मक रीढ़ के रूप में कार्य करता है।

निष्कर्ष II: WDFC मार्ग केवल हिमालयी हिमनद क्षेत्रों से होकर गुजरता है और इसका राजस्थान या गुजरात के व्यापारिक केंद्रों से कोई भौगोलिक संबंध नहीं है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 88: भारतीय रेलवे के विभिन्न प्रशासनिक जोनों (Zones) और उनके विधिक मुख्यालयों (Headquarters) के भौगोलिक सुमेलन के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?

- A) उत्तर-पश्चिम रेलवे - जयपुर

- B) उत्तर रेलवे - नई दिल्ली
- C) पूर्व तटीय रेलवे - भुवनेश्वर
- D) पश्चिम रेलवे - नागपुर

प्रश्न 89: भारत के पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों की भौगोलिक प्रकृति और उनकी आर्थिक विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: कांडला बंदरगाह (दीनदयाल पत्तन) कच्छ की खाड़ी में स्थित एक प्राकृतिक ज्वारीय पत्तन (Tidal Port) है जिसका पृष्ठप्रदेश राजस्थान और पंजाब तक विस्तृत है।

कथन II: जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (JNPT) भारत का सबसे बड़ा कृत्रिम और आधुनिकतम यंत्रीकृत कंटेनर पोर्ट है।

कथन III: मर्मगाओ बंदरगाह जुआरी नदी के ज्वारनदमुख (Estuary) पर स्थित है जो मुख्य रूप से भारत के शत-प्रतिशत थोरियम खनिज के आयात के लिए आरक्षित है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन II और कथन III
- C) केवल कथन I और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 90: भारत के पूर्वी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों की चक्रवात संवेदनशीलता और भू-वैज्ञानिक बनावट के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम बंदरगाह भारत का एक अत्यंत गहरा और भूमि-बद्ध (Land-locked) सुरक्षित पत्तन है।

कारण: यह बंदरगाह 'डॉल्फिन नोज' (Dolphin's Nose) नामक चट्टानी पहाड़ी के पीछे स्थित है जो इसे तीव्र चक्रवातों से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।
C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 91: भारत के प्रमुख अंतःस्थलीय राष्ट्रीय जलमार्गों (National Waterways) और उनके नदीय विस्तार के आधार पर सूचियों को सुमेलित कीजिये:

सूची I (राष्ट्रीय जलमार्ग)

1. NW 1
2. NW 2
3. NW 3

सूची II (भौगोलिक विस्तार)

- a. सादिया से धुबरी (ब्रह्मपुत्र नदी)
 - b. कोट्टायमपुरम से कोल्लम (पश्चिमी तट नहर)
 - c. प्रयागराज से हल्दिया (गंगा-भागीरथी-हुगली नदी)
- नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

- A) 1-b, 2-a, 3-c
B) 1-c, 2-a, 3-b
C) 1-c, 2-b, 3-a
D) 1-a, 2-c, 3-b

प्रश्न 92: "यह भारत का एकमात्र ऐसा प्रमुख नदीय बंदरगाह (Riverine Port) है जो समुद्र तट से लगभग 128 किलोमीटर आंतरिक भाग में हुगली नदी के किनारे अवस्थित है। इसे निरंतर गाद (Siltation) जमा होने की गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है, जिसके समाधान के लिए हल्दिया में एक गहरे जल के सहायक पत्तन परिसर का विकास किया गया है।"

उपरोक्त लघु पैराग्राफ किस विशिष्ट बंदरगाह की व्याख्या करता है?

- A) विशाखापत्तनम पत्तन

- B) कोलकाता पत्तन (श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन)
C) न्यू मंगलुरु बंदरगाह
D) मर्मगाओ पत्तन

प्रश्न 93: भारत में वायु परिवहन के ऐतिहासिक विकासक्रम और इसके विधिक राष्ट्रीयकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: भारत में वायु परिवहन की शुरुआत वर्ष 1911 में इलाहाबाद से नैनी के बीच दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा के संचालन के साथ हुई थी।

कथन II: वर्ष 1953 में वायु परिवहन राष्ट्रीयकरण अधिनियम के माध्यम से सभी निजी विमानन कंपनियों को विधिक रूप से दो मुख्य निगमों (इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया) में संगठित किया गया।

कथन III: भारत का नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) पूरी तरह से केवल रेलगाड़ियों की पटरियों की सुरक्षा की जाँच करने वाली एक स्वायत्त संस्था है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
B) केवल कथन II और कथन III
C) केवल कथन I और कथन III
D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 94: भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उपग्रह संचार प्रणालियों (Satellite Communication) के कार्यात्मक वर्गीकरण के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: इनसैट (INSAT) और जीसैट (GSAT) श्रृंखला के भारतीय उपग्रहों को मुख्य रूप से भू-स्थैतिक कक्षा (Geostationary Orbit) में स्थापित किया जाता है।

कारण: ये उपग्रह पृथ्वी के धरातल से लगभग आठ सौ किलोमीटर की न्यूनतम ऊँचाई पर ध्रुवीय

कक्षाओं में घूमते हैं और इनका दूरसंचार से कोई संबंध नहीं होता है।

- A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है
- C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।
- D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

प्रश्न 95: भारत सरकार द्वारा देश के सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए लागू की गई नीतियों के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

कथन: भारतनेट (BharatNet) परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य देश की सभी ढाई लाख ग्राम पंचायतों को उच्च गति वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC) नेटवर्क से जोड़ना है।

निष्कर्ष I: यह परियोजना पूरी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पारंपरिक तांबे के भारी तारों वाली लैंडलाइन टेलीफोन व्यवस्था को विधिक रूप से अनिवार्य करने पर केंद्रित है।

निष्कर्ष II: यह ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन (Digital Divide) को पाटने और ई-गवर्नेंस सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की एक रणनीतिक पहल है।

- A) केवल निष्कर्ष I सत्य है
- B) केवल निष्कर्ष II सत्य है
- C) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों असत्य हैं
- D) दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

प्रश्न 96: भारत के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों और उनकी वास्तविक भौगोलिक अवस्थिति (शहर) के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा मिलान असंगत है?

- A) इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा - नई दिल्ली
- B) केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा - बेंगलुरु
- C) नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा - कोलकाता

D) वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा - चेन्नई

प्रश्न 97: भारत में आर्थिक नियोजन (Economic Planning) के ऐतिहासिक वैचारिक उद्भव और स्वतंत्रता पूर्व की योजनाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: सर एम. विश्वेश्वरैया ने वर्ष 1934 में अपनी पुस्तक 'प्लैनिंग इकोनॉमी फॉर इंडिया' में देश के नियोजित आर्थिक विकास का पहला खाका प्रस्तुत किया था।

कथन II: वर्ष 1944 में प्रतिपादित 'गांधीवादी योजना' का मूल दर्शन पूरी तरह से बड़े भारी पूंजीवादी इस्पात कारखानों के केंद्रीकरण पर आधारित था।

कथन III: जयप्रकाश नारायण द्वारा वर्ष 1950 में 'सर्वोदय योजना' प्रस्तुत की गई थी जो विनोबा भावे के सिद्धांतों और विकेंद्रीकृत जन-भागीदारी से प्रेरित थी।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं/हैं?

- A) केवल कथन I और कथन II
- B) केवल कथन I और कथन III
- C) केवल कथन II और कथन III
- D) कथन I, कथन II और कथन III

प्रश्न 98: योजना आयोग के पारंपरिक केंद्रीकृत मॉडल और नीति आयोग के सहकारी संघवाद के वैचारिक अंतर के संदर्भ में नीचे एक कथन और एक कारण दिया गया है:

कथन: नीति आयोग (NITI Aayog) नीचे से ऊपर (Bottom-Up) के दृष्टिकोण पर कार्य करता है जहाँ नीति निर्माण में राज्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है।

कारण: नीति आयोग को केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों को सीधे वित्तीय बजट और वार्षिक धन आवंटित करने की पूर्ण विधिक शक्ति प्राप्त है।

A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परंतु कारण,

कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

B) कथन सत्य है परंतु कारण असत्य है।

C) कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

A) मरुभूमि विकास कार्यक्रम (DDP)

B) कमांड एरिया डेवलपमेंट योजना (CADP)

C) महानगरीय स्मार्ट सिटी मिशन

D) भारतनेट डिजिटल विज्ञान

प्रश्न 99: भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा देश के क्षेत्रीय पिछड़ेपन को दूर करने के लिए लागू किए गए नीतिगत संकेतकों को सूचियों के माध्यम से सुमेलित कीजिये:

सूची I (नीति आयोग का सूचकांक / कार्यक्रम)

1. आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP)

2. SDG इंडिया इंडेक्स

3. इंडिया इनोवेशन इंडेक्स

सूची II (प्राथमिक विज्ञान / मापदंड)

a. सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में राज्यों की प्रगति का मापन करना

b. देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों में बुनियादी ढांचे और पोषण का रियल-टाइम विकास

c. राज्यों की तकनीकी, नवाचार और शोध क्षमता का राज्यवार आकलन करना

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही विकल्प चुनें:

A) 1-b, 2-c, 3-a

B) 1-b, 2-a, 3-c

C) 1-c, 2-b, 3-a

D) 1-a, 2-b, 3-c

प्रश्न 100: "यह भारत में क्षेत्रीय असमानता और विशिष्ट भौगोलिक विसंगतियों को दूर करने के लिए अपनाया गया एक प्रमुख प्रादेशिक नियोजन कार्यक्रम है। इसका प्राथमिक उद्देश्य शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को रोकना, पारिस्थितिक संतुलन बहाल करना और जल संसाधनों का संरक्षण करना है। यह राजस्थान के शुष्क जिलों के संदर्भ में अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखता है।"

उपरोक्त लघु पैराग्राफ किस विशिष्ट क्षेत्रीय योजना कार्यक्रम की व्याख्या करता है?